DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
MO- 9415376545

B.A PART-I (Sub./Gen.)

LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No..... Date..15/04/2020

राजनीतिशास्त्र के अध्ययन की उपयोगिता

आधुनिक युग में राजनीतिशास्त्र की अध्ययन की उपयोगिता बहुत बढ़ गयी है। क्योंकि निरन्तर राज्य के कार्यों का विस्तार हो रहा है। अतएव प्रत्येक व्यक्ति को राज्य तथा उससे सम्बन्धित ज्ञान को जानने की आवश्यकता है। इसके अध्ययन की उपयोगिता निम्नलिखित बिन्दुओं में अभिव्यक्त की जा सकती है—

1. सामाजिक शान्ति का रक्षक – राजनीतिशास्त्र राज्य का विज्ञान है। साथ ही साथ यही बतलाता है कि नागरिकों को किस प्रकार के फलन करना चाहिए और किस प्रकार का नियंत्रित जीवन उनके जीवन को सुख एवं शान्ति प्रदान कर सकता है। इसलिए कहा जाता है कि राजनीतिशास्त्र का अध्ययन सुख एवं शान्ति की रक्षक है।

2. राज्य सम्बन्धी ज्ञान की प्राप्ति— जबतक व्यक्ति राज्य सम्बन्धी ज्ञान को जानकर उसका उपयोग नहीं करेगा तब तक वह राज्य द्वारा प्रदत्त कल्याणकारी सुविधाओं का उपभोग नहीं कर सकता है। इसलिए आज के युग में राजनीतिशास्त्र का अध्ययन अनिवार्य हो गया है क्योंकि इसके अध्ययन से नागरिकों को राज्य सम्बन्धी ज्ञान की प्राप्ति हो जाती है।

3. मानवीय अधिकारों की रक्षा- राज्य की ओर से नागरिकों के विकास के लिए अनेक सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं। इन सुविधाओं को हम व्यक्ति के मौलिक अधिकार कहते हैं। इन अधिकारों की रक्षा उसी समय सम्भव हो सकती है जब कि हम राजनीति विज्ञान का अध्ययन करें और उस विज्ञान की सहायता से उन सभी अधिकारों का ज्ञान भी प्राप्त करें जो नागरिकों के विकास के लिए आवश्यक है।

4. व्यक्तियों को प्रोत्साहन - राजनीति विज्ञान का अध्ययन व्यक्तियों को उत्तर-दायित्व की भावना का पाठ भी पढ़ाता है, साथ ही उत्तरदायित्व की भावना का प्रेरक भी है। इस सम्बन्ध में सोल्टाऊ का कथन है कि "जिस किसी व्यक्ति में उत्तरदायित्व का थोड़ा-सा भी भाव है, राजनीति उसके चिन्तन का विषय है क्योंकि उससे प्रत्येक व्यक्ति प्रभावित होता है।"

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
MO- 9415376545
B.A PART- I (Sub./Gen.)
LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No.................. Date. 15/04/2020

5. दृष्टिकोण में व्यापकता – राजनीतिशास्त्र का अध्ययन करने से नागरिक को स्वतंत्रता, समानता, कानून, राष्ट्रीयता, तथा अन्तरराष्ट्रीयता, जनमत एवं राजनीतिक दल आदि के सम्बन्ध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त होता है। इस ज्ञान को प्राप्त करके नागरिक राजनीति में भाग लेने की कला सीख जाता है। इसीलिए कहा जाता है कि राज्य विज्ञान नागरिकों के दृष्टिकोण में व्यापकता लाता है। अतः इसका अध्ययन करना प्रत्येक नागरिक के लिए अनिवार्य होता है। क्योंकि इससे व्यक्ति के विचारों में व्यापकता आती है।

6. आदर्श सरकार की स्थापना – राज्य विज्ञान का अध्ययन व्यक्ति को राज्य सम्बन्धी ज्ञान प्रदान करता है उस ज्ञान को प्राप्त कर लेने के उपरान्त व्यक्ति समझ जाता है कि उसे किस प्रकार की शासन प्रणाली की आवश्यकता है और व्यक्ति का अधिकतम हित किस बात में निहित है। इसके अतिरिक्त राजनीति विज्ञान का अध्ययन व्यक्ति को आलोचक भी बना देता है। एक सारगर्भित आलोचना सरकार को लोक कल्याण के कार्य करने पर विवश करता है।

7. प्रशासनिक कुशलता – राजनीति विज्ञान का अध्ययन व्यक्ति को कार्य कुशल बना देता है। योग्य कर्मचारियों के निर्वाचन की विधि, प्रशासन को हितकर बनाने के तरीके, कर्मचारियों तथा पदाधिकारियों में सम्बन्ध स्थापित करने के तरीके इत्यादि का ज्ञान राजनीति विज्ञान की अध्ययन की देन है। इस प्रकार के ज्ञान की प्राप्ति करके व्यक्ति प्रशासन की कुशलता सीख जाता है।

8. संवैधानिक अध्ययन – राजनीति विज्ञान के अध्ययन से विभिन्न प्रकार के संविधानों का ज्ञान प्राप्त होता है। देश के नागरिक उस संविधान के प्रति अधिक जागरूकता रखते हैं। जिससे उनका अधिकतम हित या कल्याण हो सके।

9. विश्वबन्धुत्व की भावना का प्रेरक – राजनीति शास्त्र का अध्ययन व्यक्ति को शुद्ध अन्तर्राष्ट्रीयता का ज्ञान कराता है। राज्य विज्ञान के अध्ययन से व्यक्ति अन्तर्राष्ट्रीयता से छुटकारा पा जाता है और उसमें विश्व बन्धुत्व की भावना का जन्म होता है। वह वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना से प्रेरित होकर

Scanned with CamScanner

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
D.B. COLLEGE, JAYNAGAR
BY:DR. ANANTESHWAR KUMAR YADAV
(ASSIST. PROFESSOR, GPTT)
MO - 9415376545
B.A PART- I (Sub./Gen.)
LALIT NARAYAN MITHILA UNIVERSITY, DARBHANGA-846004(BIHAR)

Ref. No................ Date. 15/04/2020

समस्त विश्व को अपना ही कुटुम्ब समझता है। इसी भावना से विश्वशांति की भावना बढ़ सकती है। इसीलिए यह कहना अनुचित न होगा कि विश्वबन्धुत्व की भावना नागरिकों में राज्य विज्ञान के अध्ययन का ही परिणाम है।

10. राजनैतिक जागरण - राजनीतिक दलों के सिद्धान्तों, निर्वाचन की पद्धतियों, मताधिकार के तरीकों तत्पश्चात् सरकार को गठन का ज्ञान राजनीति विज्ञान के अध्ययन से होता है और उसी से राजनीतिक जागरण की भावना का विकास समसामयिक परिपेक्ष्य में परिलक्षित होता रहता है।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि राजनीतिशास्त्र के अध्ययन की उपयोगिता आज अरस्तू के युग से बहुत बढ़ गयी है क्योंकि वर्तमान युग में कल्याणकारी राज्य की धारणा स्वतंत्रता, समानता, प्रजातंत्र, समाजवाद तथा राज्यों की पारस्परिक निर्भरता ने इसके अध्ययन को महत्त्वपूर्ण ही नहीं बल्कि अनिवार्य बना दिया है। आज प्रत्येक व्यक्ति किसी-न-किसी प्रकार राज्य व्यवस्था से संबंधित है। इसकी व्यापकता को देखते हुए ही अरस्तू ने इसे सर्वोच्च विज्ञान (Master Science) का स्वरूप प्रदान किया था जो कि आज भी प्रासंगिक प्रतीत हो रहा है।

(समाप्त)

Scanned with CamScanner